# <u>हिंदी कार्यशाला पर प्रतिवेदन</u>

सुदूर संवेदन एवं हवाई सर्वेक्षण, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, बेंगलूरू में दिनांक 08.03.2019 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सुदूर संवेदन एवं हवाई सर्वेक्षण, बेंगलूरू के श्री बी.के.साहू, उपमहानिदेशक तथा श्री एम.के.राव, निदेशक के साथ कुल 36 अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस कार्यशाला में अतिथि वक्ता के रूप में श्री प्रेम बाबू, निदेशक एवं कार्यालयाध्यक्ष तथा राजभाषा अधिकारी उपस्थित थे। इस शुभ अवसर पर अध्यक्ष पद संभाले श्री बी.के.साहू, उपमहानिदेशक ने कहा कि प्रत्येक कार्यालय में हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन करना अनिवार्य है। हिंदी में कार्य करने में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। इन कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा का ज्ञान रखने वाले सरकारी कार्मिकों को हिंदी में काम करने की झिझक को दूर करना है। इन कार्यशालाओं में मुख्य रूप से सरकारी काम हिंदी में किए जाने का अभ्यास करवाया जाता है। यह अभ्यास संबंधित कार्मिकों के रोजमर्रा के कार्य से संबंधित होता है। अत: कार्यालय में इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। आगे उन्होंने कहा कि सभी इसका लाभ उठाएं। सह अध्यक्ष श्री एम.के.राव, निदेशक एवं कार्यालयाध्यक्ष ने संबोधित करते हुए कहा कि कार्यालय में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए हिंदी प्रशिक्षण एवं हिंदी कार्यशाला का आयोजन बहुत महत्वपूर्ण है। अतिथि वक्ता ने **"कार्यालय पद्धति एवं पत्राचार के रूप तथा हिंदी के कार्य में यूनिकोड की भूमिका"** पर अपना व्याख्यान पॉवर प्वाइंट द्वारा प्रस्तुत किए। कर्मचारियों के लिए यह एक बहुत ही जानकारीपूर्ण इंटरैक्टिव सत्र था। अतिथि वक्ता ने अपने बहुत ही संवादात्मक भाषण के माध्यम से सभी को उत्साहित किया। सभा में उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा व्याख्यान की काफी सराहना की गई।

अंत में राजभाषा अधिकारी ने ऐसे सूचनात्मक सत्र प्रस्तुत करने के लिए अतिथि वक्ता श्री प्रेम बाबू, निदेशक एवं कार्यालयाध्यक्ष तथा राजभाषा अधिकारी को बहुत धन्यवाद दिया और इस कार्यशाला के आयोजन में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से योगदान देने वालों को धन्यवाद दिया और अनुरोध किया कि इस कार्यशाला से पाप्त ज्ञान का सदुपयोग अपने दैनिक कार्य में करें।

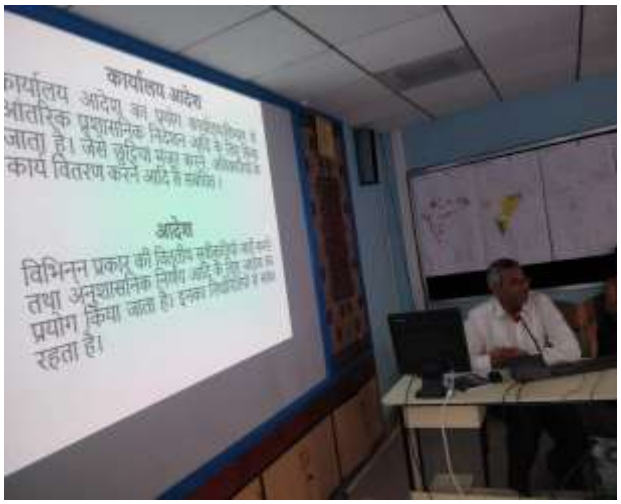
कार्यालय आदेश
आदेश